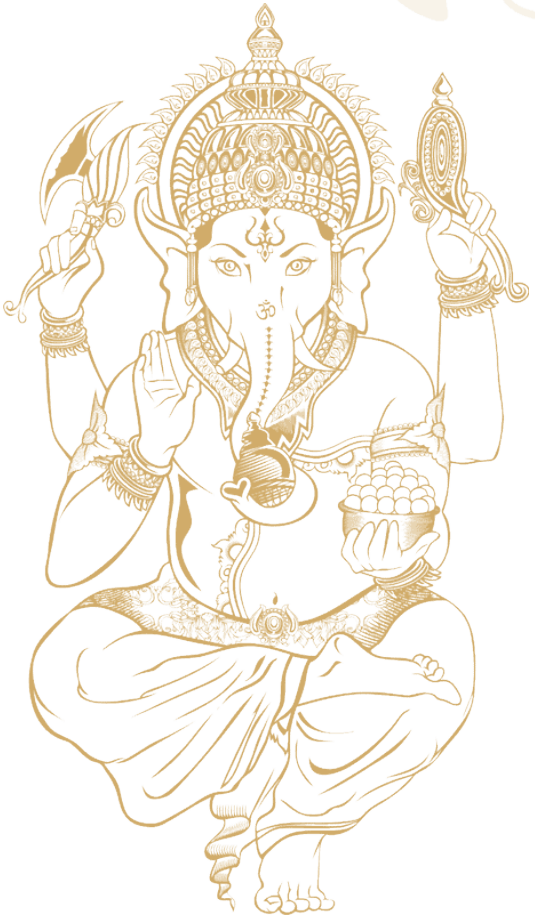

Komal

19 Aug 2006

09:45 AM

Thana

Model: web-freekundliweb

Order No: 120901605

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19/08/2006**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**09:45:00 घंटे**
इष्ट	08:33:05 घटी
स्थान	**Thana**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	19:14:00 उत्तर
रेखांश	73:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:07:08 घंटे
वेलान्तर	-00:03:41 घंटे
साम्पातिक काल	06:56:39 घंटे
सूर्योदय	06:19:45 घंटे
सूर्यास्त	19:02:53 घंटे
दिनमान	12:43:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	02:06:42 सिंह
लग्न के अंश	19:26:04 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वज्र
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुसुम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	19:26:04	339:49:05	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			सिंह	02:06:42	00:57:44	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			मिथु	09:52:35	12:43:02	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	23:15:07	00:38:04	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध			कर्क	19:06:38	01:51:57	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
गुरु			तुला	17:45:27	00:07:06	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	13:47:32	01:13:32	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
शनि		अ	कर्क	22:23:38	00:07:38	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	01:46:13	00:04:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	01:46:13	00:04:10	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	19:28:25	00:02:15	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	---
नेप	व		मक	24:15:00	00:01:37	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	00:12:04	00:00:31	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			मिथु	19:05:12	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:01

लग्न-चलित

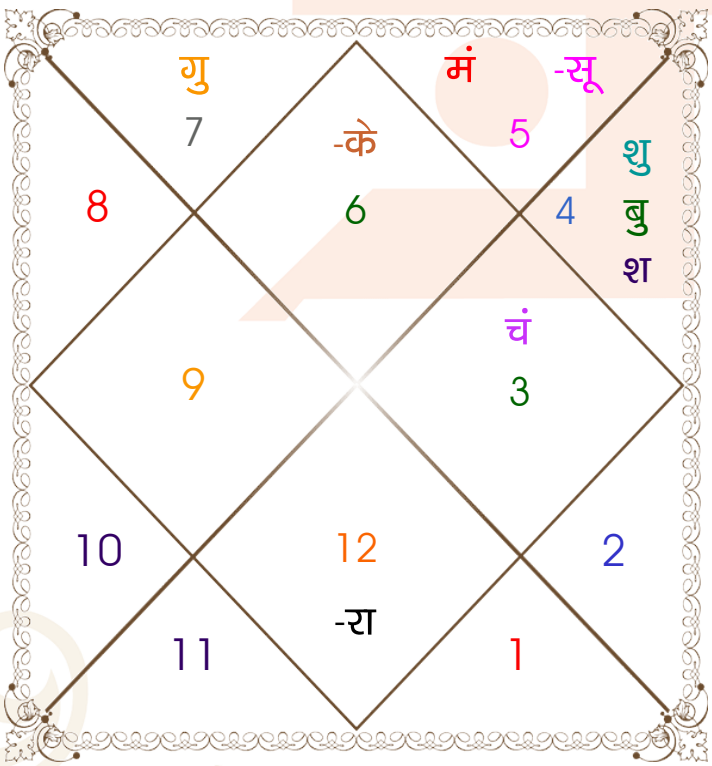

चन्द्र कुंडली

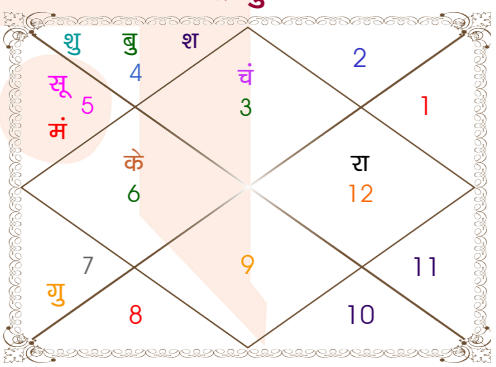

नवमांश कुंडली

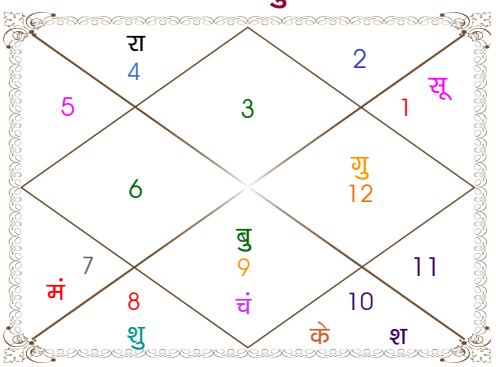

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 13 वर्ष 8 मास 0 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/08/2006		19/04/2020		19/04/2036		20/04/2055		19/04/2072	
19/04/2020		19/04/2036		20/04/2055		19/04/2072		20/04/2079	
	19/08/2006	गुरु	07/06/2022	शनि	23/04/2039	बुध	15/09/2057	केतु	15/09/2072
गुरु	26/05/2007	शनि	18/12/2024	बुध	31/12/2041	केतु	12/09/2058	शुक्र	15/11/2073
शनि	01/04/2010	बुध	26/03/2027	केतु	09/02/2043	शुक्र	13/07/2061	सूर्य	23/03/2074
बुध	18/10/2012	केतु	01/03/2028	शुक्र	10/04/2046	सूर्य	20/05/2062	चंद्र	22/10/2074
केतु	06/11/2013	शुक्र	31/10/2030	सूर्य	23/03/2047	चंद्र	19/10/2063	मंगल	20/03/2075
शुक्र	06/11/2016	सूर्य	19/08/2031	चंद्र	21/10/2048	मंगल	15/10/2064	राहु	07/04/2076
सूर्य	30/09/2017	चंद्र	18/12/2032	मंगल	30/11/2049	राहु	05/05/2067	गुरु	14/03/2077
चंद्र	01/04/2019	मंगल	24/11/2033	राहु	06/10/2052	गुरु	10/08/2069	शनि	22/04/2078
मंगल	19/04/2020	राहु	19/04/2036	गुरु	20/04/2055	शनि	19/04/2072	बुध	20/04/2079

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/04/2079		20/04/2099		20/04/2105		21/04/2115		20/04/2122	
20/04/2099		20/04/2105		21/04/2115		20/04/2122		00/00/0000	
शुक्र	19/08/2082	सूर्य	07/08/2099	चंद्र	18/02/2106	मंगल	17/09/2115	राहु	31/12/2124
सूर्य	19/08/2083	चंद्र	06/02/2100	मंगल	19/09/2106	राहु	04/10/2116	गुरु	20/08/2126
चंद्र	19/04/2085	मंगल	14/06/2100	राहु	20/03/2108	गुरु	10/09/2117		00/00/0000
मंगल	19/06/2086	राहु	08/05/2101	गुरु	20/07/2109	शनि	20/10/2118		00/00/0000
राहु	19/06/2089	गुरु	25/02/2102	शनि	19/02/2111	बुध	17/10/2119		00/00/0000
गुरु	18/02/2092	शनि	06/02/2103	बुध	20/07/2112	केतु	14/03/2120		00/00/0000
शनि	20/04/2095	बुध	14/12/2103	केतु	18/02/2113	शुक्र	14/05/2121		00/00/0000
बुध	17/02/2098	केतु	20/04/2104	शुक्र	20/10/2114	सूर्य	19/09/2121		00/00/0000
केतु	20/04/2099	शुक्र	20/04/2105	सूर्य	21/04/2115	चंद्र	20/04/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 13 वर्ष 8 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय हैं तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित महिला हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी महिला है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आती परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपके पति बुद्धिमान हैं तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकती हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपको अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्यारम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकती हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकती हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें।

आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की

आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति की प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करती रहती हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहती हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप सप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार, एवं शनिवार के दिनों को छोड़कर शेष सोमवार, बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार का दिन आपके मुख्य एवं महत्वपूर्ण कार्यों के सम्पादन हेतु पूर्ण अनुकूल हैं।